एरॉन फिंच ने किया चैलेंज स्वीकार

एरॉन फिंच ने भी वॉर्नर की इस पोस्ट पर कॉमेंट करते हुए लिखा, चैलेंज एक्सेप्टिड यानी चुनौती स्वीकार की जाती है। इसके बाद वॉर्नर ने बताया कि मैं 17 प्रयास में ऐसा कर पाया और उन्होंने दो हंसने वाले इमोजी भी बनाए।

टिकटॉक पर एरॉन फिंच ने भी की एंट्री डेविड वॉर्नर ने चैलेंज से किया स्वागत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ऑस्ट्रेलिया। टिकटॉक पर एरॉन फिंच ने भी की एंट्री, डेविड वॉर्नर ने चैलेंज से किया स्वागतऑस्ट्रेलिया के ओपनिंग बल्लेबाज डेविड वॉर्नर इन दिनों टिकटॉक पर खूब धूम मचा रहे हैं। ऐसे में उनके जोड़ीदार और सीमित ओवरों के कप्तान एरॉन फिंच भी कहां पीछे रहने वाले थे। फिंच ने भी अब टिकटॉक पर अपना डेब्यू कर लिया है। फिंच ने जैसे ही इस प्लेटफॉर्म पर एंट्री की तो डेविड वॉर्नर ने अपने दोस्त के लिए यहां एक रोचक चैलेंज पेश कर दिया। वॉर्नर ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह माइकल जैक्सन के स्टाइल जैसी कोई हरकत कर रहे हैं। वॉर्नर ने इस वीडियो के तहत एरॉन फिंच को चौलेंज किया। उन्होंने लिखा, एरॉन फिंच क्या तुम इससे बेहतर कर सकते हो?

बता दें इन दोनों खिलाड़ियों को आईपीएल में भी खूब पसंद किया जाता है। वॉर्नर सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हैं, जबकि एरॉन फिंच विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के खिलाड़ी हैं।

लार और वैक्स नहीं यह है वॉर्न का परमानेंट सुझाव

क्रिकेट

गेंद को एक तरफ से भारी क्यों नहीं बनाया जा सकता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। कोरोना वायरस महामारी के बाद क्रिकेट खेलते समय गेंद को स्विंग कराने के लिए लार के उपयोग या कृत्रिम पदार्थ के इस्तेमाल को लेकर चल रही बहस के बीच ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न ने सुझाव दिया है कि गेंद को एक तरफ से भारी रखें ताकि चमक की जरूरत ही नहीं रहे।

वॉर्न का मानना है कि इससे तेज गेंदबाजों को सपाट विकेटों पर भी स्विंग लेने में मदद मिलेगी। उन्होंने 'स्काइ स्पोटर्स' के क्रिकेट पॉडकास्ट में कहा, 'गेंद को एक तरफ से भारी क्यों नहीं बनाया जा सकता ताकि ये हमेशा स्विंग लें। यह एक टेप लगाई हुई टेनिस गेंद या लॉन बॉल की तरह रहेगी।'

ऐसी अटकलें हैं कि संक्रमण की संभावना को देखते हुए गेंद पर लार के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई जा सकती है। ऑस्ट्रेलिया की गेंद निर्माता कंपनी कूकाबूरा ने मोम का एप्लीकेटर

बनाना शुरू कर दिया है जो लार और पसीने का विकल्प होगा। यह एक महीने में तैयार हो जाएगा।

वॉर्न ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि क्या आप वकार युनूस या वसीम अकरम जैसी स्विंग लाना चाहते हैं। लेकिन इससे सपाट पिचों पर भी स्विंग मिल जाएगी। यह आगे बढ़ने का सही तरीका होगा और गेंद के साथ छेड़खानी भी नहीं करनी होगी।' उन्होंने कहा कि इतने साल में बल्ले बड़े और हल्के हो गए हैं लेकिन गेंद में कोई बदलाव नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इस सुझाव से गेंद और बल्ले में संतुलन स्थापित हो सकता है।'

गेंद को चमकाने के लिए लार का विकल्प तैयार करेगा कूकाबुराः ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट गेंद निर्माता कंपनी कूकाबुरा लार और पसीने के विकल्प के तौर पर जल्द ही 'वैक्स एप्लिकेटर' तैयार करेगा जो कोविड–19 के बाद के क्रिकेट जगत में गेंदबाजों को गेंद चमकाने में मदद करेगा। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बेहद संक्रामक बीमारी के जोखिम को कम करने के लिए गेंद को चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल करने पर रोक लगाई जा सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार आईसीसी गेंद को चमकाने के लिए अंपायरों की निगरानी में कृत्रिम चीजों का उपयोग करने की अनुमति देने पर विचार कर रही है। इस स्थिति में कूकाबुरा ने 'वैक्स एप्लिकेटर' तैयार करने की शुरुआत कर दी है जो कि एक महीने के अंदर तैयार हो जाएगा। कूकाबुरा समूह के प्रबंध निदेशक ब्रेट इलियट ने पीए समाचार एजेंसी से कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में कूकाबुरा का शोध एवं विकास केंद्र गेंद को चमकाने के पारंपरिक तरीके के विकल्प को तैयार करने पर काम कर रहा है। हमने क्रिकेट गेंद को चमकाने के लिये खास तरह का वैक्स फॉर्म्युला तैयार किया है।' उन्होंने कहा, 'खिलाड़ी या अंपायर गेंद को चमकाने के लिये इस स्पंजनुमा वस्तु को उस पर लगाएंगे जिसके बाद गेंदबाज अपनी गेंद को पोशाक पर रगड़कर पारंपरिक तरीके से उसे चमका सकता है।'

टी20 वर्ल्ड कप के लिए अलग तरह की चुनौती, ऑस्ट्रेलिया तलाश रहा है तमाम विकल्प

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ऑस्ट्रेलिया। टी20 वर्ल्ड कप के लिए अलग तरह की चुनौती, ऑस्ट्रेलिया तलाश रहा है तमाम विकल्पलॉकडाउन की कैद में जकड़ी दुनिया में क्रिकेट समेत तमाम खेल प्रतियोगिताएं मार्च महीने से ही ठप पड़ी हैं, ऐसे में इस साल ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड के आयोजन पर भी खतरा मंडरा रहा है। लेकिन, फटाफट क्रिकेट के इस मॉडर्न अवतार की भारी लोकप्रियता के मद्देनजर हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं कि यह हर सूरत में हो।

ऑस्ट्रेलिया के खेल मंत्री रिचर्ड कोलबेक ने कहा कि उनका देश टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीमों की मेजबानी करने की चुनौती से

गंभीर, ली को पसंद नहीं यह आइडिया

पार पा सकता है, लेकिन मुख्य मुद्दा यह है कि क्या टूर्नामेंट का आयोजन खाली स्टेडियमों में करना सही होगा। टी20 वर्ल्ड कप और भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, क्योंकि अभी यात्रा संबंधी पाबंदियां लगी हुई हैं।

अगर ये दोनों टूर्नामेंट नहीं होते हैं तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को 30 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का नुकसान हो सकता है। कोलबेक ने कहा कहा, 'हम सभी हालात में अंतर को समझते हैं लेकिन जहां तक टीमों का मसला है तो मुझे लगता है कि हम खेल और खिलाड़ियों की हेल्प से कुछ नियम तय कर सकते हैं जो कि अहम हैं। अगर हम टूर्नामेंट का आयोजन करते हैं तो तय समय तक अलग रहना और बायो–सिक्योरिटी प्रोटोकॉल जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग ने टी20 मैचों को चार पारियों में खेले जाने का आइडिया पेश किया है, लेकिन पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज पेसर ब्रेट ली इससे इत्तफाक नहीं रखते। ब्रेट ली ने कहा, चाहे बीबीएल हो या फिर आईपीएल वह इसमें कुछ ना कुछ खासियत बनाए रखने के फेवर में हैं ताकि कुछ आकर्षण पैदा हो और लोग खेल से जुड़ें, लेकिन कुछ चीजों को आप पारंपरिक तौर पर बनाए रखना चाहेंगे और टी20 को चार पारियों में बांटना कुछ ज्यादा हो जाएगा।श गंभीर ने कहा, मैं इस बात में ज्यादा यकीन नहीं रखता कि टी20 को चार पारियों में बांटा जाए।

मैंने हरभजन सिंह से सीखी खेल भावनाः रविचंद्रन अश्विन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। भारतीय टीम में हरभजन सिंह और रविचंद्रन अश्विन के बीच कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है। टीम इंडिया में ऑफ स्पिनर के लिए एक ही स्थान था और इस दशक के पहले हाफ में ये दोनों ही खिलाड़ी इसे हासिल करने के पूरा जोर लगाते थे। लेकिन सोमवार शाम को जब ये दोनों खिलाड़ी इंस्टाग्राम लाइव चैट पर एक साथ दिखे, तो ये अटकलें खारिज हो गईं कि इन दोनों के बीच कोई मन–मुटाव था। जब ये दोनों खिलाड़ी सोशल मीडिया वेबसाइट इंस्टाग्राम पर एक–दूसरे से मुखातिब हुए तो स्पिन बोलिंग पर भी चर्चा खूब हुई और दोनों ने एक–दूसरे के स्वर्णिम पलों को भी खूब याद किया और फन भी खूब किया। दोनों खिलाड़ी एक–दूसरे को तमिल और पंजाबी भी सिखाते नजर आए।

इस दौरान अश्विन ने बताया कि उन्होंने खेल भावना के सही मायने अपने सीनियर भज्जी से ही सीखे हैं। अश्विन ने 2000–01 की सुप्रसिद्ध भारत–ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज को याद किया। अश्विन ने बताया कि उस ऐतिहासिक सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच चेन्नै में ही था और यहां जब भी टेस्ट होता था तो मैं उसे मिस नहीं करता था।

न्यूज डायरी

मैं आईपीएल में सिक्स मारने को बहुत मिस कर रहा हूंः आंद्रे रसल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के धाकड़ ऑलराउंडर आंद्रे रसल इंडियन प्रीमियर लीग को बहुत मिस कर रहे हैं। लेकिन वह मानते हैं कि मौजूदा हालात ऐसे हैं इसमें कोई भी फंसना नहीं चाहता था। रसल ने कहा, इन परिस्थितियों में कोई नहीं आना चाहता था। यह बीमारी पूरी दुनिया पर असर डाल रही है। इसका असर मुझ पर भी हो रहा है। मैं इस वजह से वह काम नहीं कर पा रहा हूं जिसे करने में मैं बेस्ट हूं। यानी मैं बड़े–बड़े छक्के नहीं लगा पा रहा। स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड में उन्होंने कहा कि मैं अभी भारत में होता और अच्छे माहौल का आनंद उठा रहा होता। लेकिन फिलहाल हमें जितना हो सके सुरक्षित रहने की जरूरत है। रसल ने कहा, मैं एक बात स्वीकार करना चाहूंगा कि आईपीएल वह टूर्नामेंट है जिसमें खेलकर मेरे रौंगटे खड़े हो जाते हैं।

गेंद पर लार को नो– खिलाड़ियों को नए नियमों में ढलना होगाः मार्नस लाबुशेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई रन मशीन मार्नस लाबुशेन (डंतदने स्ंइनेबींहदम) ने कहा कि कोरोना वायरस (ब्वतवदंअपतने) महामारी के बाद मैदान पर लौटने पर गेंद को चमकाने के लिए वह लार का इस्तेमाल छोड़ने को तैयार हैं। क्योंकि खिलाड़ियों को नए नियमों को अपनाने के लिए तैयार रहना होगा। कोरोना महामारी से उबरने के बाद खेल की बहाली होने पर संक्रमण से बचने के लिए गेंद पर लार का इस्तेमाल रोकने की अटकलें लगाई जा रही हैं। लाबुशेन ने सिडनी मार्निंग हेराल्डश से कहा, हमारा लक्ष्य मैदान पर लौटना है और इसके लिए जो भी बदलाव करने पड़े, करने चाहिए। हम खिलाड़ियों को नए नियमों के अनुरूप खुद को ढालना होगा। इस बल्लेबाज हरफनमौला ने हालांकि स्वीकार किया कि यह अटपटा लगेगा क्योंकि मैदान पर गेंद पर लार लगाना आदत में शुमार हो गया है।

फ्रिट्ज ने सेरेना और शारापोवा को हराकर ऑनलाइन चौरिटी टूर्नमेंट जीता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लॉस एंजिलिस। अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने दिग्गज महिला टेनिस प्लेयर सेरेना विलियम्स और रूस की मारिया शारापोवा को हराकर सितारों से सजा ऑनलाइन टेनिस टूर्नमेंट जीत लिया। इससे जुटाए गए 10 लाख डॉलर अमेरिका में भूखे बच्चों की मदद पर खर्च किए जाएंगे। दुनिया के 24वें नंबर की खिलाड़ी फ्रिट्ज, सोशल मीडिया स्टार एडिसन रे ने जापान के केई निशिकोरी और डीजे स्टीव ओकी को हराकर ' स्टे ऐट होम स्लैम' चौलेंज जीता। इसमें अमेरिका की वीनस विलियम्स और जापान की नाओमी ओसाका ने भी हिस्सा लिया था। जॉन मैकेनरो ने इसकी कॉमेंट्री की। फ्रिट्ज और रे ने ईनामी राशि 'नो किट हंगरी' को दी जो अमेरिका में बच्चों में भुखमरी से बचाव के लिए काम कर रहा है। सभी प्रतियोगियों को अपनी पसंदीदा चौरिटी को देने के लिए 25000 डॉलर मिले थे।

कोरोना वायरस के खतरे के बावजूद अपने नन्हे फैन से मिले जॉन सीना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका के प्रफेशनल रेसलर और हॉलिवुड स्टार जॉन सिना ने कोविड– 19 वायरस के खतरे के चलते अपने फैन्स से मिलना नहीं छोड़ा है। जॉन अभी भी उन लोगों से मिल रहे हैं, जो उनसे मिलना चाहते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि जॉन इस घातक बीमारी के प्रति लापरवाह हैं। वह इस वायरस को रोकथाम के लिए पूरी जागरूकता के साथ सभी संभव उपाय अपनाते हुए घर से बाहर निकलते हैं। अमेरिका कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा पीड़ित देश है और इस प्राणघातक वायरस के चलते दुनिया में सबसे ज्यादा मौते इसी देश में हुई हैं। लेकिन जॉन सीना पूरी सावधानी बरतते हुए अपने चाहने वालों से मिल रहे हैं। हाल ही में जॉन सिना ने 7 साल के एक कैंसर पीड़ित बच्चे से मिलकर उसे सरप्राइज दिया। रेसलिंग स्टार जॉन सिना अमेरिका में मेक अ विश फाउंडेशन से जुड़े हैं। अमेरिका का यह फाउंडेशन बीमार बच्चों की लाइफ चेंजिंग विश को पूरा करने का काम करता है। इसी के तहत जॉन सीना ने 7 साल के कैंसर पीड़ित डेविड कास्टल से मिलने उसके घर पहुंचे।